कहानियोंके अण्डे

हवाई जहाज़ आसमान में

हवाई जहाज़ आसमान में यहाँ-वहाँ घूमता हुआ, लड़खड़ाए जा रहा था। तभी एक आदमी ने सोचा कि मैं भी आसमान में उड़ूँगा। उसने एक छत्ता लिया और हवा में उड़ने लगा। हवा तेज़ चल रही थी। उसने सोचा, मैं छत्ते को बन्द कर दूँ।

हवाई जहाज़ वाले आदमियों ने उससे कहा कि छत्ता बन्द मत करना नहीं तो नीचे गिर जाओगे। उसने नीचे जाकर देखा तो उसे चक्कर आ गया और वह नीचे गिर पड़ा। गाँव वालों ने उसे देखा और उठाकर ले गए। हवाई जहाज़ हवा में ही उड़ता रहा।

—जीतू गुर्जर, उम्र-14 वर्ष, बोदल, राजस्थान

एक अण्डे में से बत्तख का बच्चा निकला

एक अण्डे में से बत्तख का बच्चा निकला। एक दिन वह घूमता हुआ एक मुर्गी के पास पहुँच गया। मुर्गी ने कहा, "बच्चे, तू किधर जा रहा है?" वह बोला, "मैं अपनी माँ के पास जा रहा हूँ।" मुर्गी बोली, "अब तो तेरी माँ नहीं मिल पाएगी। अब तू मेरे पास ही रह।" बतख के बच्चे ने कहा, "ठीक है मैं यहाँ पर ही रहूँगा।" मुर्गी घर-घर जाकर अनाज लाती थी और बतख के बच्चे को खिला देती थी। वह बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होने लगा। बड़ा होते ही मुर्गी उसको जंगल में घुमाने ले जाती थी।

—भरत लाल, बोदल,राजस्थान

रवि और मैं खाली बैठे खिड़की से बाहर झाँक रहे थे

तभी अगले मकान के सामने एक ट्रक आकर रुका। वह मकान काफी दिन से खाली पड़ा हुआ था। वहाँ पर एक बूढ़ी अम्मा और उनका पोता रहता था। वे अभी थोड़े दिन पहले ही उस मकान को खाली कर के गए थे, क्योंकि उन अम्मा की पोती की शादी तय हो गई थी। और उनके पोते की नौकरी भी चली गई। तो इतने बड़े शहर में उनके पास खाने-कमाने का कोई साधन नहीं था। इसलिए वे इस मकान को बेचकर अपने गाँव हरियाणा चले गए। अब इस मकान में नए लोग आ गए है। उस ट्रक में उनका समान भरा हुआ था। उसमें उनकी कुर्सी, मेज़, चित्र और कई शीशे के समान थे। उस ट्रक में से एक अंकल, अंटी और एक बच्ची नीचे आईं। उनके साथ एक कुत्ता भी था। उसका रंग सफेद था। वह छोटा-सा था। उस लड़की को देखने से लगता था कि वह उन अंकल-अंटी की बेटी है। अब उन अम्मा को यहाँ से गए 3 महीने गुज़र गए हैं। और इन नए पड़ोसी को आए हुए 3 महीने हो गए हैं। अब हम उन्हें अच्छी तरह पहचान गए हैं। वे बहुत मिलनसार हैं। इन 3 महीनों से वह हमारे साथ घुल-मिल गए हैं लेकिन अभी भी हमें उन अम्मा जी की याद आती है। क्योंकि वह बहुत अच्छी थीं। मेरे हिसाब से हम उन अम्मा को कभी नहीं भूला पाएँगे।

—डोली गुप्ता, नवीं, दिल्ली